शिक्षा कार्यक्रम की समीक्षा

2764. **चौधरी हरमोहन सिंह:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने महिलाओं पर अत्याचारों के निवारण हेतु शिक्षा कार्यक्रम की समीक्षा की है;

(ख) यदि हां, तो इस समीक्षा के क्या परिणाम निकले हैं;

(ग) यह कार्यक्रम कहां तक सफल रहा है एवं सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है; और

(घ) सरकार ने गत तीन वर्षों में इस कार्यक्रम पर प्रतिवर्ष कितनी-कितनी धनराशि खर्च की है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (महिला एवं बाल विकास विभाग) में राज्य मंत्री (कुमारी विमला शर्मा): (क) जी, नहीं। महिलाओं पर अत्याचारों की रोकथाम के लिए शिक्षात्मक कार्य के लिए स्वैच्छिक संगठनों को सहायता देने की स्कीम की कोई समीक्षा नहीं की गई है।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

(ग) यह कार्यक्रम स्वांग, नुक्कड़ नाटक, लघु नाटक तथा इसी प्रकार के अन्य कार्यक्रमों के मध्यम से स्वैच्छिक संगठनों द्वारा कार्यान्वित किया जाता है। इस स्कीम के अन्तर्गत, महिलाओं के साथ हिंसा पर अध्ययन भी किये गये हैं। महिलाओं के साथ हिंसा और उनके शोषण से संबंधित मामलों पर कानूनी जानकारी प्रदान करने के लिये केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड और अन्य गैर-सरकारी संगठनों द्वारा कानूनी साक्षरता शिविर भी लगाये गये। कुछ राज्यों में प्रवर्तन तंत्र के लिये महिला संचेतना पाठ्यक्रम भी आयोजित किये गये। परामर्श सेवाएं, आस-पड़ोस में बैठकें, जागरूकता विकास शिविर लगाने तथा पत्रिकाओं के प्रकाशन आदि के लिये वित्तीय सहायता भी प्रदान की गयी, हालांकि सामाजिक रवैये में परिवर्तन एक सतत् प्रक्रिया है जो तमाम उपायों, अभियानों पर निर्भर करती है। परन्तु इस कार्यक्रम विशेष के अन्तर्गत गैर-सरकारी संगठनों को जागरूकता उत्पन्न करने के लिये नवीन तरीके लागू करने की अनुमति दी जाती है।

(घ) गत तीन वर्षों के दौरान खर्च की गयी राशि का ब्यौरा इस प्रकार है:

वर्ष	रु० लाखों में
1992-93	25.00
1993-94	35.11
1994-95	42.00

Task Force to Review the Text Books

2765. SHRI SANJAY DALMIA:
SHRI V. HANUMANTHA RAO:
MAULANA OBAIDULLAH KHAN AZMI:
DR. BAPU KALDATE:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether NCERT has set up some special Task Force to review and revise the text books;

(b) whether the views of the State Governments have also been taken into consideration in this regard; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF EDUCATION) (DR. KRUPASINDHU BHOI): (a) to (c) NCERT has not set up any special Task Force to review and revise the text-books brought out by the States and as such the necessity for consulting State Governments has not arisen. However, National Council of Educational Research and Training (NCERT) has taken up a programme for conducting a comprehensive research study covering all aspects of textbooks evaluation through an internal task team. The textbook evaluation is being conducted by the curriculum departments of NCERT Headquarters jointly with the four Regional Institutes of Education. Schools affiliated to the various State Boards use textbooks prescribed by the

respective State Boards. The State Governments have their own mechanism for designing, publication and printing of textbooks.

दुर्गापुर इस्पात संयंत्र में इस्पात का उत्पादन

2766. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र में इस्पात का औसत दैनिक उत्पादन कितना है;

(ख) सरकार ने इस संयंत्र में इस्पात के उत्पादन को बढ़ाने के लिये क्या कदम उठाये हैं;

(ग) क्या पश्चिमी बंगाल सरकार ने केन्द्रीय सरकार से दुर्गापुर के ऐलॉय इस्पात संयंत्र में हॉट रोलिंग मिल को लगाने का आग्रह किया है;

(घ) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(ङ) हॉट रोलिंग मिल न लगाये जाने के क्या कारण हैं?

इस्पात मंत्रलय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव): (क) अप्रैल-नवम्बर, 1995 के दौरान दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (डी०एस०पी०) में विक्रेय इस्पात का औसत दैनिक उत्पादन 2464 टन प्रति दिन था।

(ख) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण किया जा रहा है जिससे अन्य बातों के साथ-साथ इसकी विक्रेय इस्पात की क्षमता और उत्पादन में वृद्धि होगी।

(ग) से (ङ) पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ने अगस्त, 1988 और बाद में सुझाव दिया कि मिश्र इस्पात संयंत्र (ए०एस०प०) दुर्गापुर में बेदाग इस्पात स्लैब के लिए तप्त बेलन सुविधाएं स्थापित की जाएं। इस मामले की जांच की गई और यह महसूस किया गया कि मिश्र इस्पात संयंत्र में उत्पादित की जा रही बेदाग इस्पात स्लैबों को देश में ही बेल्लित किया जाए। तदनुसार तकनीकी-आर्थिक, वाणिज्यिक और प्रचालन दृष्टिकोणों के आधार पर यह निर्णय लिया गया कि तप्त बेलन सुविधा मिश्र इस्पात संयंत्र के स्थान पर सेलम इस्पात संयंत्र (एस०एस०पी०) में स्थापित की जानी चाहिए। इस प्रकार सेलम इस्पात संयंत्र में तप्त बेलन सुविधाएं स्थापित करने के लिए स्टील अथारिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड (सेल) के प्रस्ताव को सरकार ने अप्रैल 1991 में स्वीकृति दी।

Committees set up to make present Education System more effective

2767. **SHRIMATI MALTI SHARMA:**
SHRI RAJ NATH SINGH:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have constituted certain committees recently to make the present education system more effective;

(b) if so, the number and the composition thereof;

(c) whether these committees have been requested to submit their reports in a stipulated time; and

(d) if so, the stipulated time fixed in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF EDUCATION AND DEPARTMENT OF CULTURE) (KUMARI SELJA): (a) to (d) One Apex Synergy Group and four sub-groups had been constituted to bring together academics, industry, Non-Government Organisations (NGOs) and other action groups to make the system more effective in the four thrust areas of Primary Education and Literacy, Vocational Education, Technology Development and Transfer in Indian Institutes of Technology (IITs) and Development and Transfer of Management Techniques in Indian Institutes of Management (IIMs). The composition of the Groups is given in the Statement. (*see* below) the sub-groups presented their reports on December 11, 1995.

Statement

Composition of Synergy Groups

Apex Synergy Group

1. Shri Madhavrao Scindia—Chairman
Minister of Human Resource Development